ट्राई के चेयरमैन बोले- जीवन की सभी घटनाएं एक डिजाइन का हिस्सा हैं, जो आज सीखा वो भविष्य में काम आएगा

दीक्षांत समारोह में पहली बार आईआईएम की डिग्री मिलने पर 233 स्टूडेंट्स के खिले चेहरे, चार को मिले गोल्ड मेडल

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

रायपुर ◆ आईआईएम के स्टूडेंट्स के लिए गुरुवार का दिन यादों को सहेजने वाला साबित हुआ। आठवें दीक्षांत समारोह में छात्रों की खुशी देखते ही बन रही थी। चेहरे की चमक बता रही थी कि यह महज डिग्री ही नहीं बल्कि ऐसे पंख हैं जिससे करियर के आसमान में उंची उड़ान भरी जा सकती है। पहला ऐसा मौका था जब छात्रों को डिप्लोमा नहीं डिग्री दी गई। दीक्षांत समारोह में कुल 233 स्टूडेंट्स को डिग्री दी गई, जिसमें 2017-19 बैच के कुल 179 स्टूडेंट्स और 2016-18 बैच के 54 स्टूडेंट्स शामिल थे। गुरुवार को अटलनगर स्थित नए कैंपस में आयोजित समारोह में 4 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल और 8 को पीएचडी की डिग्री दी गई। चीफ गेस्ट भारतीय दूरसंचार प्राधिकरण(ट्राई) के चेयरमैन डॉ. राम सेवक शर्मा, बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की अध्यक्ष श्यामला गोपीनाथन, आईआईएम के निदेशक प्रोफेसर भारत भास्कर के हाथों सभी स्टूडेंट्स को डिग्री प्रदान की गई।

अटलनगर स्थित आईआईएम में दीक्षांत समारोह के दौरान स्टूडेंट्स ने कुछ इस अंदाज में खुशी का इजहार किया।

कभी नहीं भूलें बैकग्राउंड

ट्राई के चेयरमेन डॉ. राम सेवक शर्मा ने कहा कि हमें कभी भी अपने बैकग्राउंड को नहीं भूलना चाहिए क्योंकि इससे ही हमें आत्मशक्ति मिलती है जो मैनेजमेंट के लिए बहुत जरूरी है। जीवन की सभी घटनाएं एक डिजाइन का हिस्सा हैं जो आज सीखा वो भविष्य में काम आएगा। स्टूडेंट्स को हमेशा देने वाला बनना चाहिए तभी वे न केवल सफल होंगे बल्कि बेहतर दुनिया बनाकर सफल होंगे। उन्होंने एक अन्य प्रबंधन शैली को भी आगे बढ़ाया जिसे गुड पीकर की प्रबंधन शैली कहा जाता है, जो कहती है कि आपको बिना उम्मीद किए प्रयास करते रहना होगा। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं है। श्यामला गोपीनाथन ने कहा कि स्टूडेंट्स की मेहनत में परिवार और यहां के टीचर का भी सहयोग है। यह संस्थान अब इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट के बराबरी से खड़ा है।

स्टूडेंट को डिग्री देते डॉ. शर्मा, श्यामला गोपीनाथन और प्रोफेसर भारत भास्कर।

फैमिली, टीचर्स का सपोर्ट

मैंने इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट का नॉलेज ले लिया है इससे मुझे किसी भी क्षेत्र में विजन बनाने में मदद मिलेगी, जो मेरी सिविल सर्विस में काम आएगा। अभी आईसीसीआई में नौकरी शुरू की है।

राही जैन

बहुत खुशी हो रही है

अपनी सफलता के लिए मैं सभी को धन्यवाद देना चाहती हूं, इन लोगों के सहयोग से ही मैंने सफलता पाई है। मैनेजमेंट की पढ़ाई मेरे लिए बहुत काम आएगी

वुसीरेड्डी नंदिनी

अभी और आगे जाना है

मेरी पूरी कोशिश रहेगी की मैंने जिस तरह यहां बेस्ट परफॉर्मर का खिताब पाया है वो मेरे लिए बड़ा अचीवमेंट है। यहां से हमने जो कुछ भी सीखा है उसे से हम अपनी राह बनाएंगे।

शिलवेस्टर सैम्युअल

उन्हें मिली पीएचडी की उपाधि

कंसलटेंसी में तय होगी मंजिल

कंसलटेंसी में पीचडी करने वाली प्रतीक्षा ने अभी मिंत्रा जॉइन किया है। जबलपुर की रहने वाली प्रतीक्षा अब बंगलुरू में सर्विस करेंगी । प्रतीक्षा ने कहा कि परिवार के साथ इन खुशी के पलों को मैं भूल नहीं पाऊंगी।

प्रतीक्षा परिहार

फाइनेंस में ही बढ़ना है

फाइनेंस में पीएचडी की डिग्री लेने वाले सूर्य भूषम कुमार अपने पूरे परिवार के साथ अपनी खुशी को शेयर कर रहे थे। झारखंड के रहने वाले सूर्यभूषण ने संस्थान और परिवार के सहयोग को अपनी सफलता का श्रेय दिया।

सूर्यभूषण कुमार

इस पल को नहीं भूला सकती

आईसीसीआई में प्रोडेशियल इंश्योरेंस सेक्टर में कार्य करने वाली शैलजा तिवारी को पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के लिए गोल्ड मेडल दिया गया। शैलजा ने बताया अब करियर की उडान मार्केटिंग सेक्टक की और रहेगी। ये पल उनके लिए बहुत याजगार पल रहेगा

शैलजा तिवारी

इन्हें मिला गोल्ड मेडल

आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में उत्कृह प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक दिए गए। पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम (पीजीपी) के छात्रों में, राही जैन ने शिक्षा क्षेत्र में उत्कृह शैक्षिक प्रदर्शन के लिए चेयरपर्सन का स्वर्ण पदक प्राप्त किया, नंदिनी बसरेड्डी ने निदेशक का स्वर्ण पदक प्राप्त किया, शैलजा तिवारी ने पीजीसी की चेयरपर्सन का पदक और सिल्वेस्टर सैमुअल ने सर्वश्रेष्ठ समग्र प्रदर्शन के लिए पदक प्राप्त किया।

आईआईएम को बनाएंगे नॉलेज सेक्टर

प्रो. भारत भास्कर ने कहा कि 9 साल में हमारी एकेडमी में कई बदलाव आए है। हम आईआईएम को नॉलेज सेक्टर बनाएंगे। हमारा संस्थान बड़ा रिसर्च इंस्टिट्यूट बनेगा इस दिशा में प्रयास किए जा रहे है। स्टूडेंट्स नए वर्ल्ड में जा रहे है इसलिए उन्हें सीखना जीवनभर जारी रखना चाहिए।

Patrika, 26th April 2019,P.11